Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

अरुणाचल प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 1978

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में अरुणाचल प्रदेश सरकार 46 वर्ष पहले अधिनियमित किए गए "जबरन धर्मांतरण" के खिलाफ 1978 के अधिनियम को लागू करने के लिए इसके कार्यान्वयन के लिए नियम बनाने पर काम कर रही है।

अरुणाचल प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम –1978 क्या है ?

- "अरुणाचल प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम–1978" तत्कालीन केंद्र शासित प्रदेश अरुणाचल प्रदेश की पहली विधानसभा द्वारा उस समय अधिनियमित किया गया था, जब अरुणाचल प्रदेश में तेजी से बदलाव हो रहे थे।
- यह अधिनयम बल प्रयोग, प्रलोभन या कपटपूर्ण तरीके से धार्मिक रूपांतरण पर प्रतिबंध लगता हे।
- इस अधिनियम के तहत एक धार्मिक आस्था से दूसरे धर्म में जबरदस्ती धर्म परिवर्तन या परिवर्तन के प्रयास को अपराध की श्रेणी में रखा गया है, जिसके लिए 2 साल तक की कैद की सजा एवं 10,000 रूपये के जुर्माने का प्रावधान किया गया है।
- इस अधिनियम में कहा गया है कि किसी भी तरह की धर्मांतरण की सूचना संबंधित जिले के उपायुक्त को दिया जाना आवश्यक है एवं अगर ऐसा नहीं किया जाता है तो धर्मांतरण कराने वाले व्यक्ति को भी सजा का सामना करना पड़ेगा।
- इस अधिनियम में निर्दिष्ट धार्मिक आस्थाओं को स्वदेशी धर्मों, विश्वासों, अनुष्ठानों एवं रीति - रिवाजो के रूप में परिभाषित किया गया है।

- स्वदेशी आस्थाओं को अरुणाचल प्रदेश के स्वदेशी समुदायों द्वारा स्वीकृत "धर्मों"के रूप में परिभाषित किया गया है।
- वर्ष 1978 में इस अधिनियम के अधिनियमित होने के बाद से इसकी लगातार अगली सरकारों ने इसके कार्यान्वयन के लिए कोई नियम नहीं बनाए हैं जिसके कारण यह अधिनियम लगभग पांच दशकों से निष्क्रिय पड़ा हुआ है।

इस अधिनियम को क्यों पेश किया गया था ?

- अरुणाचल प्रदेश विभिन्न मान्यताओं और प्रथाओं के साथ कई अलग-अलग छोटे जातीय समुदायों का घर है।
- तिब्बत और भूटान की सीमा से लगे पश्चिम अरुणाचल प्रदेश के "मोनपा" और "शेरडुकपेन्स" समुदाय के लोग "महायान" बौद्धधर्म का पालन करते हैं।
- जबकि पूर्वी अरुणाचल प्रदेश के "खम्पटिस" और सिंगफोस "थेरवाद" बौद्ध धर्म का पालन करते हैं।
- अरुणाचल प्रदेश की कई अन्य जनजातियां बहुदेववादी प्रकृति और पूर्वजों की पूजा करते हैं।

- बहुदेववादी प्रकृति और पूर्वजों की पूजा करने वाले अरुणाचल प्रदेश की समुदायों में विशेष रूप से तानी समूह की जनजातियां है।
- तानी समूह में न्यिशी, अपाटानिस, गैलोस, मिसिंग और टैंगिन जनजातियां समूह शामिल हे।
- इसके अलावे अरुणाचल प्रदेश में रहने वाले तिब्बती बमाई लोग "दोनी–पोलो या डोनी–पोलोवाद" नामक स्थानीय धर्म का पालन करते हैं जिसका सिद्धांत जीववाद और ओझावाद पर आधारित है।
- अरुणाचल प्रदेश में 1950 के दशक तक अन्य उत्तर–पूर्वी पहाड़ी राज्यों (नागालैंड, मिजोरम और मेघालय)के विपरीत अरुणाचल प्रदेश के जनजातियों के बीच ईसाई धर्म का प्रचलन आम नहीं था।
- अरुणाचल प्रदेश की जनजातियों के बीच ईसाई धर्म का प्रचलन नहीं होने के कारण इनके सीमांत क्षेत्रों को अलग करने की औपनिवेशिक नीति थी, जो "इनर लाइन प्रणाली" के साथ यह प्रतिबंध आजादी के बाद भी जारी रहा।
- 1950 के दशक में असम के तलहटी इलाकों में मिशनरी प्रयासों के कारण तत्कालीन नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी में ईसाई धर्म की घुसपैठ हुई।
- अरुणाचल प्रदेश में पहला चर्च वर्ष 1957 में असम के धेमाजी जिले के करीब (वर्तमान अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी सियांग जिले)रेयांग गांव में स्थापित किया गया।
- धीरे-धीरे आने वाले दशकों में अरुणाचल प्रदेश में ईसाई के रूप में पहचाने जाने वाले लोगों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी गई।
- वर्ष 1971 की जनगणना के अनुसार अरुणाचल प्रदेश में जहां ईसाइयों की जनसंख्या यहां की कुल जनसंख्या का मात्र 0.79 प्रतिशत था, जो वर्ष 1981 में बढ़कर 4.32 प्रतिशत हो गई।
- अरुणाचल प्रदेश की न्यिशी,पदम और नोक्टे जैसी जनजाति सबसे ज्यादा ईसाई धर्म में परिवर्तित किए गए।

- अरुणाचल प्रदेश की जनजातियों की ईसाई धर्म में धर्मांतरण की वृद्धि को देखते हुए स्थानीय संगठनों द्वारा स्वदेशी धर्मों और संस्कृतियों की रक्षा के लिए धर्मांतरण कानून की मांग की जाने लगी जिसके कारण यह अधिनियम लाया गया था।

अधिनियम निष्क्रिय क्यों बना हुआ है ?

- अरुणाचल प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 1978 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने से पहले ही इसे अरुणाचल प्रदेश के तत्कालीन ईसाई सांसद "बाकीन पर्टिन" ने विरोध किया था तथा नागालैंड विधानसभा में भी इस अधिनियम के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किया गया था।
- इस अधिनियम के लागू होने के 1 वर्ष बाद इस अधिनियम को निरस्त करने पर जोर देने के लिए "अरुणाचल क्रिश्चियन फोरम" का गठन किया गया था।
- इस संगठन ने लगातार इस अधिनियम को "ईसाई विरोधी कानून" बताकर विरोध किया।
- इस अधिनियम का निष्क्रिय बने रहने का जो सबसे बड़ा कारण है वह अरुणाचल प्रदेश में ईसाइयों की लगातार बढ़ती जनसंख्या है।
- वर्ष 2011 की आखिरी जनगणना के आंकड़ों के अनुसार अरुणाचल प्रदेश में ईसाइयों की आबादी इसकी कुल जनसंख्या का 30.26 प्रतिशत था जिसके कारण ईसाई धर्म राज्य में सबसे बड़ा धर्म बन गया।
- राज्य में ईसाइयों की बढ़ती प्रतिनिधित्व एवं इस अधिनियम का लगातार विरोध के कारण अब तक अरुणाचल प्रदेश के किसी मुख्यमंत्री ने इस अधिनियम को लागू करने के लिए कदम नहीं उठाया।

अधिनियम को अब वापस क्यों लागू किया जा रहा है ?

- वर्ष 2022 में "इंडीजिनस फेथ्स एंड कल्चरल सोसाइटी ऑफ़ अरुणाचल प्रदेश" (IFCSAP) के पूर्व महासचिव ट्रेम्बो टेमिन ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय की ईटानगर पीठ में एक जनहित याचिका दायर कर "अरुणाचल प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम–

1978" को लागू करने के लिए नियम बनाने में राज्य सरकार की विफलता के लिए हस्तक्षेप करने की अपील की गई थी।

- 30 सितंबर 2024 को अरुणाचल प्रदेश के मुख्य अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार द्वारा इस अधिनियम को लागू करने के लिए मौजूदा नियम तैयार कर लिए गए हैं जिन्हें अंतिम रूप देने में 6 महीने का समय लगेगा।
- अरुणाचल प्रदेश की मुख्य अधिवक्ता की दलील सुनने के बाद अदालत ने यह कहते हुए याचिका बंद कर दी कि राज्य सरकार अपने दायित्वों के प्रति सचेत रहते हुए आज से 6 महीने की अवधि के भीतर इस अधिनियम को लागू करने से संबंधित मौजूदा नियमों को अंतिम रूप देंगे।
- IFCSAP के वर्तमान महासचिव माया मुर्टेम ने अदालत के इस फैसले के बाद कहा कि "अरुणाचल प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम–1978" का क्रियान्वयन राज्य में हो रहे धर्मांतरण को रोकने के लिए एक कवच के रूप में काम करेगा।

अरुणाचल प्रदेश का धार्मिक प्रतिनिधित्व :

- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार अरुणाचल प्रदेश में हिंदू धर्म को 29.04% के प्रतिनिधित्व के साथ दूसरे सबसे बड़े धर्म के रूप में गिना गया था।
- जबकि ईसाई धर्म को 30.26 प्रतिशत के प्रतिनिधित्व के साथ राज्य का पहला धर्म के रूप में गिना गया था।
- इसके अलावा बौद्ध धर्म का प्रतिनिधित्व 26.2 प्रतिशत और अन्य धर्म का प्रतिनिधित्व 11.77 प्रतिशत दर्ज किया गया था।
- वर्ष 1971 की जनगणना के आंकड़े के अनुसार उस समय अरुणाचल प्रदेश में हिंदू धर्म का प्रतिनिधित्व 22% ,अन्य धर्म का प्रतिनिधित्व 63.5% तथा क्रिश्चियन का प्रतिनिधित्व केवल 0.79% दर्ज किया गया था।

अरुणाचल प्रदेश :

- अरुणाचल प्रदेश भारत का एक उत्तर–पूर्वी राज्य है।
- अरुणाचल प्रदेश में "अरुणाचल" शब्द अरुण और अचल से मिलकर बना हुआ है जिसका शाब्दिक अर्थ "उगते सूर्य का पर्वत" है।

- अरुणाचल प्रदेश के दक्षिण में असम, दक्षिण–पूर्व में नागालैंड, पूरब में म्यांमार, पश्चिम में भूटान और उत्तर में तिब्बत स्थित है।
- 2011 की जनगणना के अनुसार अरुणाचल प्रदेश की जनसंख्या
- 1,382,611 तथा क्षेत्रफल 83,743 वर्ग किलोमीटर है।
- भौगोलिक दृष्टि से अरुणाचल प्रदेश भारत के पूर्वोत्तर के राज्यों में सबसे बड़ा राज्य है।

प्रशासनिक इतिहास :

- अरुणाचल प्रदेश का आधुनिक इतिहास असम में 24 फरवरी 1826 को "यण्डाबू संधि" के तहत ब्रिटिश शासन लागू होने से शुरू होता है।
- 1972 से पहले अरुणाचल प्रदेश को "नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी" (NEFA) के नाम से जाना जाता था।
- 1972 तक अरुणाचल प्रदेश संवैधानिक रूप से असम का एक भाग था जहां 1965 तक इसके प्रशासन की जिम्मेदारी केंद्रीय विदेश मंत्रालय के अधीन थी।
- 1965 के बाद यहां के प्रशासन की जिम्मेदारी असम के राज्यपाल के द्वारा गृह मंत्रालय के अंतर्गत आ गया।
- 1972 में अरुणाचल प्रदेश को केंद्र शासित प्रदेश घोषित कर इसे "अरुणाचल प्रदेश" नाम दिया गया।
- 20 फरवरी 1987 का अरुणाचल प्रदेश भारतीय संघ का 24वाँ राज्य घोषित किया गया।

अरुणाचल प्रदेश की जनजातियां :

- अरुणाचल प्रदेश में 26 महत्वपूर्ण जनजातियां और 100 से ज्यादा उप–जनजातियां निवास करती है।
- अरुणाचल प्रदेश की प्रमुख जनजातियों में आदिस, अपटानी, बुगुन, हुसोस, सिंगफोस, मिशमी, मोनपा, न्यिशी, शेरडुकपेन्स, टैंगिन्स, खमटिस, वांचो, नोक्टेस, योबिन, खंबास, ओर मेम्बास प्रमुख है।

MCQ–1 : अरुणाचल प्रदेश की धार्मिक जनसांख्यिकी बदलाव के संबंध में निम्न कथनों पर विचार करके सही विकल्प चुने:–

कथन –1 : वर्ष 1971 की जनगणना के अनुसार अरुणाचल प्रदेश में हिंदू धर्म का प्रतिनिधित्व 22 प्रतिशत था जो 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार बढ़कर 29.04% हो गया।

कथन –2 : वर्ष 1971 की जनगणना के अनुसार अरुणाचल प्रदेश में ईसाइयों का प्रतिनिधित्व 0.79 प्रतिशत था जो 2011 में बढ़कर 30.36 प्रतिशत हो गया।

कथन –3 : अरुणाचल प्रदेश में 2011 की जनगणना के अनुसार ईसाई धर्म का प्रतिनिधित्व सबसे अधिक है।

a) केवल कथन 1 सही है।
b) केवल कथन 2 और 3 सही है।
c) तीनों कथन सही है।
d) तीनों कथन गलत है।

Ans.–(c)

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.

Result Mitra

1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.

2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹

3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹

4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹

5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

कोर्स या Test Series के लिए

WhatssApp कीजिये

9235313184, 9235446806